

18/5/89

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 20, 1989 (वैशाख 30, 1911)
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 20, 1989 (VAISAKHA 30, 1911)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—रक्षा मंत्रालय की छोड़कर भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	409	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड—(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	487	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	*	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निर्यात और महलेश्वर परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबन्ध और समीक्षण कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	333
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	561	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	407
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों के प्राधिकार के प्रवीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिस्सा भाग में अधिकृत पाठ	*	भाग II—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	485
भाग II—खण्ड 2—विशेषक तथा विशेषकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	63
भाग II—भाग 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—प्रज्ञेता और हिन्दी दोनों के जन्म और मृत्यु के शीर्षकों को दिखाने वाला अनुपकरण	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई है।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	409	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (III) —Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authority (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	487	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	*	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	409
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	671	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	453
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	521
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	63
PART II—SECTION 3—SUB-SEC (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)			

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[No tifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई, 1989

सं० 40/प्रेअ/89—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री किरपाल सिंह,

पुलिस उप अधीक्षक,

20 बटालियन,

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री मदाशिव सिंह,

लांसनायक नं० 710200838,

20वीं बटालियन,

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री भूप सिंह,

कांस्टेबल नं० 830200291

20वीं बटालियन,

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री मोहम्मद खलील,

कांस्टेबल नं० 690160184,

20 वीं बटालियन,

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

श्री शक्ति सिंह,

कांस्टेबल नं० 720200047,

20वीं बटालियन,

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

मेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

6 मई, 1988 को दिन के लगभग 3.45 बजे श्री किरपाल सिंह, पुलिस उप अधीक्षक, 20वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को फार्म हाउस के आस-पास आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में सूचना मिली। श्री किरपाल सिंह, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक टुकड़ी के साथ (लांसनायक मदाशिव सिंह, कांस्टेबल मोहम्मद खलील, कांस्टेबल भूप सिंह तथा कांस्टेबल शक्ति सिंह के साथ) निरीक्षक गुरभीत सिंह, थानेदार राजपुरा सहित बख्तर अम्बाला रोड की ओर बढ़े। अपने आदमियों को हिदायत देने के बाद श्री किरपाल सिंह फार्म हाउस की ओर आगे

बढ़े। ज्योंही वे फार्म हाउस के पास पहुंचे उन्हें फार्म के एक श्रमिक ने सूचित किया कि पुलिस बल को देखकर आतंकवादी चुपके से खिसका कर अंगले नलकूप को चले गये हैं। अंगले नलकूप के पास पहुंचने पर उन्हें एक लावारिस राजपूत मोटर साइकिल 6 राउण्ड सहित एक भरा हुआ, 38 रिवाल्वर तथा के० सी० एफ० साहित्य से भरा एक थैला मिला। जब श्री किरपाल सिंह स्थिति की ओर आगे जांच कर रहे थे तो उन्हें एक मन्देहम्पद लिखे नवयुवक सामने की ओर भागता हुआ दिखाई दिया। श्री किरपाल सिंह ने राजपुरा के थानेदार को अन्य कार्मिकों के साथ उसका पीछा करने का निदेश दिया तथा वे अपनी टुकड़ी सहित आतंकवादियों से बचकर भागने के मार्ग को रोकने के लिये बख्तर की ओर गये। खेतों में छानबीन करते हुए उन्हें गोली चलाने की आवाज उस ओर से सुनाई दी जहां राजपुरा के थानेदार गये थे। वे उनके भागने के मार्ग को रोकने तथा गांव की ओर से आतंकवादियों को उलझाये रखने के लिये बख्तर राजपुरा के पास में तेजी से आगे बढ़े।

लांसनायक मदाशिव सिंह, जो ए० ए० जी० से लैस थे, को निदेश दिया गया कि वे जाने हुए छापाबार दल को आचरण प्रदान करें। श्री सिंह ने मोहम्मद खलील, भूप सिंह, शक्ति सिंह कांस्टेबलों के साथ प्रत्येक श्रवसर का लाभ उठाया और भागते हुए आतंकवादियों पर गोलियां चलाई जो कि पुलिस बल पर अपनी ए० के० 47 चीनी राइफलों से भागते हुए भारी गोली बारी कर रहे थे। लांसनायक मदाशिव सिंह तथा कांस्टेबल मोहम्मद खलील ने लगभग 05 कि० मी० दूरी तक आतंकवादियों का पीछा किया तथा उन्हें जंगपुरा नाले की ओर जाने के लिये विवश कर दिया। इसके बाद सर्वश्री किरपाल सिंह, मदाशिव सिंह, मोहम्मद खलील, भूप सिंह तथा शक्ति सिंह ने आतंकवादियों को अर्धवृत्त में घेर लिया। आतंकवादियों पर हावी होने के उद्देश्य से वे आतंकवादियों द्वारा की जा रही मारी गोली बारी के बीच से कम से कम 50 मीटर की दूरी तक रेंग कर गये। वे आतंकवादियों के तजदीक की अग्रभूमि पर पहुंचने में सफल हो गये। पुलिस बल को अब मारो या मरो की स्थिति का सामना करना पड़ा। आतंकवादियों की गोली बारी तथा उनकी स्थिति को जागने के उद्देश्य से श्री किरपाल सिंह ने कांस्टेबल भूप सिंह को अपने मोर्चे से आगे

जाने को कहा। जैसे ही कांस्टेबल भूप सिंह अपना स्थान छोड़ कर धीरे धीरे तथा होशियारी से आगे बढ़े, आतंकवादियों ने उन पर गोलियां चलाई और उन्हें आगे बढ़ने नहीं दिया। शेष पुलिस बल, जो कि पहले से सतर्क तथा सावधान था, ने आतंकवादियों के छिपने के स्थानों पर जवाबी गोली चलाई। फिर भी एक घायल आतंकवादी कांस्टेबल भूप सिंह पर एक राउण्ड गोली चलाने में सफल हो गया परन्तु भाग्यवश उसका निशाना चूक गया। इससे पहले कि आतंकवादी दुबारा गोली चलाता कांस्टेबल मोहम्मद खलील ने तुरन्त कार्यवाही की और आतंकवादी को मार दिया। पुलिस दल को घटना स्थल पर पहुंचे पर गोली से घायल दो सिख युवकों के शव जिनके हाथों में ए० के० 47 चीनी राइफलें थीं, मिले।

क्षेत्र की खोजबीन करने पर वहां से दो ए० के० 47 चीनी एसोलेट राइफलें तथा ए० के० 47 के लगभग 200 बल्लाये गये और 1019 बिना चले राउण्ड बरामद किये गये। बाद में मृत आतंकवादियों की शिनाख्त करने पर मालूम हुआ कि वे दलजिन्दर सिंह तथा बलविन्दर सिंह थे जो हत्याओं के बहुत से मामलों तथा आतंकवादी गति विधियों में शामिल थे।

इस मुठभेड़ में श्री किरपाल सिंह, पुलिस उप अधीक्षक, श्री सदाशिव सिंह लांसनायक श्री भूप सिंह, कांस्टेबल श्री मोहम्मद खलील, कांस्टेबल तथा श्री शक्ति सिंह, कांस्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यें पदक राष्ट्रपति का पुलिस बल नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 मई, 1988 से दिया जायेगा।

सं० 41-प्रेज/89—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मोहन सिंह, (मरणोपरान्त)
हैड कांस्टेबल नं० 360,
पुलिस स्टेशन पांडव,
जिला : ग्वालियर,

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

10 जून, 1986 को पुलिस स्टेशन पांडव के हैड कांस्टेबल मोहन सिंह (सं० 360) और कांस्टेबल पंचम सिंह (नं० 1490) बाजरिया स्टेशन पर गश्ती ड्यूटी पर थे। लगभग रात के 20.00 बजे उन्होंने बाजरिया स्टेशन पर स्थित शर्मा होटल के अन्दर से गोली चलने की आवाज सुनी। गोली चलने की आवाज सुनकर हैड कांस्टेबल और कांस्टेबल दोनों होटल के अन्दर गये और एक सैनिक को एस० एल० आर० गन से होटल के मालिक पर गोली चलाने का प्रयास करते हुए देखा। सैनिक की होटल प्रबन्धक और

ग्राहकों के बीच कुछ कहासुनी हुई। सैनिक क्रोध में आ गया और उसने ग्राहकों और होटल के मालिक को मारने के लिये गोलियां चलाई लेकिन निशाना चूक गया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए हैड कांस्टेबल मोहन सिंह ने सैनिक से राईफल छीनने की कोशिश की। इस झड़प में हैड कांस्टेबल मोहन सिंह होटल के मालिक और ग्राहकों के जीवन को बचाने में सफल हो गया लेकिन दुर्भाग्यवश सैनिक की गोली का निशाना बन गया, जिसने उस पर बहुत नजदीक से गोली चलाई थी। हालांकि श्री मोहन सिंह गम्भीर रूप से जखमी हो गये थे लेकिन उन्होंने अपना होंसला नहीं छोड़ा और सशस्त्र सैनिक के साथ अपनी अन्तिम सांस तक लड़ाई जारी रखी।

इस घटना में श्री मोहन सिंह, हैड कांस्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 10 जून 1988 से दिया जायेगा।

सं० 42/प्रेज/89—राष्ट्रपति पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री मनमोहन,
कांस्टेबल (सं० 310/ज०), (अब हैड कांस्टेबल),
जिला जालन्धर।
श्री लक्ष्मण दास,
कांस्टेबल (सं० 567/ज०) (अब हैड कांस्टेबल),
जिला—जालन्धर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

1 जुलाई, 1986 को प्रातः लगभग 8.45 बजे माडल टाउन निवासी श्री बलदेव कृष्ण भुल्लर, अपने गनमैन नामतः श्री मनमोहन सिंह, कांस्टेबल और श्री लक्ष्मण दास कांस्टेबल के साथ कुछ खरीददारी करने के लिये श्री राजपाल खन्ना की दुकान पर गये। श्री खुल्लर दुकान के अन्दर थे और गनमैन दुकान के बाहर खड़े रहे। इसी समय दो उग्रवादी स्लेटी रंग के स्कूटर में आये, बाहन रोंका और उनमें से एक ने अपनी रिवाल्वर, से कांस्टेबल मनमोहन सिंह पर गोली चलाई जो उनकी जांच पर लगी। कांस्टेबल लक्ष्मण दास के गले पर भी गोली लगी। इसी समय स्टेनगन से लैस दो और उग्रवादी अपने सहयोगियों की मदद के लिये वहां आ गये। कांस्टेबल मनमोहन सिंह ने घायल होने के बावजूद भी वापस गोली चलाई और उग्रवादियों को घायल कर दिया। माडल टाउन क्षेत्र में उग्रवादियों द्वारा गोली बारी लिये जाने की सूचना प्राप्त होने पर ब्रूसरा पुलिस दल घटना स्थल पर पहुंचा और जखमी उग्रवादियों का पीछा किया। पुलिस दल जखमी हुए दो उग्रवादियों को

दबोचने में सफल हो गया। इन उग्रवादियों ने अपने आप को बलबीर सिंह और अजीत पाल सिंह बताया। अजीत पाल सिंह से दो मैगजीनों सहित एक स्टेनगन और पांच कारतूस बरामद हुए। दोनों उग्रवादियों को इलाज के लिये तत्काल सिविल अस्पताल, जालन्धर ले जाया गया जहाँ घावों के कारण दोनों ने दम तोड़ दिया।

इस घटना में श्री मनमोहन, कान्स्टेबल (अब हेड कान्स्टेबल) और श्री लक्ष्मण धाम, कान्स्टेबल (अब हेड कान्स्टेबल) ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 1 जुलाई, 1986 से दिया जायेगा।

सं० 43-प्रेज/89—राष्ट्रपति पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रछपाल सिंह (मरणोपरान्त)
सहायक पुलिस उप निरीक्षक (सं० 2037),
पटियाला।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

18 अगस्त, 1987 को रात के लगभग 9.00 बजे श्री रछपाल सिंह, सहायक पुलिस उप निरीक्षक और श्री भीम सेन, कान्स्टेबल, जब गश्ती ड्यूटी पर थे तथा थाना : .सोल क्षेत्र में एक पेट्रोल पम्प की जांच कर रहे थे तो एक सफेद भारती गाड़ी वहाँ आयी और वाहन के ड्राइवर ने पेट्रोल के लिए पूछा। श्री रछपाल सिंह, सहायक पुलिस उप निरीक्षक और श्री भीम सेन, कान्स्टेबल वाहन के पास गये यह बतलाने के लिए गए कि इस समय वे कहां से पेट्रोल ले सकते हैं परन्तु वाहन में बैठने वालों ने श्री रछपाल सिंह और श्री भीम सेन पर एकाएक गोली चलाकर दोनों को घायल कर दिया। श्री रछपाल सिंह के पंजर तीन गोलियां लगी लेकिन इसके बावजूद, उन्होंने अपनी रिवालवर निकाली और वाहन में आतंकवादियों पर पांच गोलियां दागी जिससे तथाकथित खालिस्तान कमान्डो मेर्स का एक आतंकवादी मंजीत सिंह उर्फ मंजू गभीर रूप घायल हो गया। आतंकवादी मंजीत सिंह को अपने गहन में लेकर भाग गए। मामले की जांच के दौरान यह ज्ञात चला कि घायल आतंकवादी मंजीत सिंह को डेरा धेन्दर हरकिरात सिंह ले जाया गया जहाँ पर घायल होने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। और आतंकवादियों द्वारा उन्हें पर दाहसंस्कार कर दिया गया। श्री रछपाल सिंह भीम सेन से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया परन्तु रास्ते में घावों के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

इस मुठभेड़ में श्री रछपाल सिंह, सहायक पुलिस उप निरीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 18 अगस्त, 1987 से दिया जाएगा।

सं० 44-प्रेज/89—राष्ट्रपति चंडीगढ़ पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री जगजीत सिंह (मरणोपरान्त)
पुलिस निरीक्षण, (सं० सी०एच०जी०-16)
चंडीगढ़।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

16/17 जुलाई, 1988 के मध्य रात्रि को यह सूचना मिलने पर कि एक उग्रवादी नामतः वरिन्दर पाल सिंह, जो कि हाल में जमानत पर छूटा है, चंडीगढ़ में सेक्टर 45 बी, मकान नं० 2195/1 में कुछ सशस्त्र उग्रवादियों के साथ रह रहा है, श्री सुधीर मोहन, पुलिस उप अधीक्षक, के नेतृत्व में एक छापामार दल छिपने के स्थान पर पहुंचा और मोर्चा संभाला। निरीक्षक जगजीत सिंह भी इस दल में थे। पुलिस दल ने घर के किवाड़ अन्दर की तरफ से कुंडी जगी होने के कारण बन्द पाये और उचित सावधानी बरतने के बाद दरवाजे की घंटी बजाई तथा वरिन्दर पाल सिंह ने दरवाजा खोला।

पूछताछ करने पर वरिन्दर पाल सिंह ने अपने घर के अन्दर सशस्त्र आतंकवादियों के होने से इन्कार किया छानबीन के दौरान एक कमरा बन्द होने के अलावा मंदिर का कोई सबूत नहीं मिला, वरिन्दर पाल सिंह ने पूछने पर उसने बताया कि कमरा किराए पर दिया हुआ है। छापामार दल ने कमरे की जांच करने के लिए उसका ताला तोड़ दिया। निरीक्षक जगजीत सिंह ने कमरे में सबसे पहले प्रवेश किया और तीन आतंकवादियों को छिपे हुए पाया। उनमें से एक के पास ए के-47 राइफल थी। ज्योंही आतंकवादी ने गोली चलाने की कोशिश की, निरीक्षक जगजीत सिंह अन्य पुलिस कार्मिकों को सामूहिक हत्या होने से बचाने के लिए आतंकवादी से राइफल छीनने के लिए आगे की ओर झपटे। परन्तु आतंकवादी ने गोली चला दी और उन्होंने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस बीच अन्य पुलिस कार्मिकों ने सुरक्षात्मक मोर्चा संभाला। इस मुठभेड़ में वरिन्दर पाल सिंह भी आतंकवादियों में शामिल हो गया और अंधेरे तथा गोलीबारी का फायदा उठाकर वे खिड़की से भागने में सफल हो गये। पुलिस दल ने गोली का जबाब गोली से दिया और भागते हुए आतंक-

वादियों का लगभग आधा किलोमीटर तक पीछा किया। दोनों तरफ से लगभग 15-20 मिनट तक गोलियां चली। गोलीबारी के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए और एक आतंकवादी ए० के०-47 राइफल सहित बचकर भाग गया।

इस मुठभेड़ में श्री जगजीत सिंह, पुलिस निरीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अंतर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अंतर्गत विशेष भत्ता भी दिनांक 17 जुलाई, 1988 से दिया जाएगा।

सं० 45-प्रेज/89—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री भगत सिंह,
कमान्डेंट,
11वीं बटालियन,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री छतर सिंह,
नायक, संख्या 690482449,
11वीं बटालियन,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री बी० बी० चौबे,
कान्स्टेबल/चालक संख्या 801310172,
11वीं बटालियन,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

17 अक्टूबर, 1987 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 11वीं बटालियन के कमान्डेंट श्री भगत सिंह को सूचना प्राप्त हुई कि बटालियन मुख्यालय से लगभग 25 कि०मी० दूर पुलिस स्टेशन सदर होशियारपुर के गांव हरखोवाल क्षेत्र में खूंखार आतंकवादी जसवीर सिंह उर्फ लल्ली निष्प्रिय अवस्था में रह रहा था। श्री भगत सिंह ने अपने साथियों को तुरंत संक्षिप्त हिदायतें देने के बाद आतंकवादी को पकड़ने के लिए उसके छिपने के स्थान पर संतुल्यपूर्ण हमला करने का निश्चय किया। उन्होंने अधिकारियों और कामिकों का एक 14-मदस्यीय दल बनाया और दो जीपों में सवार होकर कार्यवाही के लिए रवाना हुए।

गांव पंडोरी बी० बी० में प्रवेश करने से पहले श्री भगत सिंह ने जल्दी से जगह और स्थिति का जायजा लिया। अभी वे वाहन में ही थे कि उन्होंने विपरीत दिशा से स्कूटर पर सवार दो गिप्त गुप्तों को आते देखा। उन्होंने ऐसा

महसूस किया कि वे वही आतंकवादी हैं जिनकी उनको तलाश थी। सामरिक दृष्टि से सभी एहतियात बरतने के बाद श्री भगत सिंह ने उनको रुकने के लिए ललकारा। स्कूटर पर सवार आतंकवादियों ने अचानक श्री भगत सिंह पर गोली चला दी। वे तुरंत नीचे झुक गए और संयोगवश बच गए। श्री भगत सिंह ने अपने दल के सदस्यों को सचेत किया और आतंकवादियों पर जवाब में गोलियां चलाई। आतंकवादियों ने स्कूटर छोड़कर अनुकूल मोर्चा संभाला और अंधा-धुंध गोलियां चलाई। नायक छतर सिंह ने जो कि श्री भगत सिंह के साथ जीप में थे, जीप से छलांग लगाई और कमान्डेंट के साथ लड़ाई में शामिल हो गए और कमान्डेंट के हमले को सुदृढ़ किया। सर्वश्री भगत सिंह और छतर सिंह ने अपने-अपने निजी हथियारों से गोलियां चलाकर आतंकवादियों को गिरा दिया। गोलीबारी में एक आतंकवादी घटनास्थल पर ही मारा गया।

दूसरे वाहन के सदस्य भी उचित दूरी रखकर पहले दल के सदस्यों के साथ मिल गए। इस वाहन के कान्स्टेबल/चालक बी०बी० चौबे, निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए दूसरे आतंकवादी पर अपने जो अभी तक अपनी स्टेनगन से पहले दल के जवानों पर गोलियां चला रहा था आतंकवादी को मुठभेड़ में पूर्णतया निष्प्रिय कर दिया गया और वश में कर लिया गया तथा उससे स्टेनगन छीन ली गई। इस बीच नायक छतर सिंह ने आतंकवादी पर गोली चलाई और उसे घटनास्थल पर ही मौत के घाट उतार दिया। बाद में मृतक आतंकवादियों की जसवीर सिंह उर्फ लल्ली तथा बलविन्दर सिंह उर्फ निन्दा के रूप में शिनाख्त हुई। दोनों आतंकवादी कई हथियारों और डकैती के मामलों में शामिल थे।

इस मुठभेड़ में श्री भगत सिंह, कमान्डेंट, श्री छतर सिंह, नायक, और श्री बी०बी० चौबे, कान्स्टेबल/चालक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अंतर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अंतर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 17 अक्टूबर, 1987 से दिया जाएगा।

सं० 46-प्रेज/89—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रविन्द्र कुमार सिंह,
पुलिस उप-निरीक्षक,
सं० 680394014,
49वीं बटालियन,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
अमृतसर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

6 अगस्त, 1987 को संदिग्ध व्यक्तियों की जांच करने के लिए कमाण्डो स्क्वाड की एक टुकड़ी ने उप-निरीक्षक रविन्द्र कुमार सिंह की कमाण्ड में स्वर्ण मन्दिर परिसर, अमृतसर के पीछे कटरा दल सिंह चौक में प्रातः लगभग 6.00 बजे एक विशेष नाकाबन्दी का आयोजन किया क्योंकि उन्हें यह सूचना मिली थी कि कुछ कट्टर आतंकवादी स्वर्ण मन्दिर परिसर में उपस्थित हैं।

लगभग प्रातः 8.30 बजे उन्होंने कटरा दल सिंह चौक से कौलसर मार्किट को जोड़ने वाली लेन से आते हुए दो साइकिल सवारों को रोका। साइकिल सवारों ने अपनी साइकिलों को छोड़कर भागने की कोशिश की। नाकादल ने मार्किट क्षेत्र की गलियों में से संदिग्ध व्यक्तियों का दूर तक पीछा किया। कान्स्टेबल कुलदीप सिंह उनमें से एक को कमर से पकड़ने में सफल हो गये और उससे हाथापाई की। कान्स्टेबल को भयभीत करने के लिए आतंकवादी ने अपने पिस्तौल से गोली चलायी परन्तु कान्स्टेबल ने बड़ी होशियारी से अपने आप को बचा लिया। उप-निरीक्षक रविन्द्र कुमार सिंह और एक कान्स्टेबल श्री कुलदीप सिंह को बचाने के लिए तुरन्त उस स्थान की ओर भागे परन्तु इस बीच आतंकवादी अपने आप को छुड़ाने में सफल हो गया। यह देखकर, कि आतंकवादी कान्स्टेबल पर गोली चलाने ही वाला है श्री रविन्द्र कुमार सिंह ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए अपने पिस्तौल से कारगर गोली दागी जो आतंकवादी को लगी और वह घटना स्थल पर ही मर गया। श्री रविन्द्र कुमार सिंह ने अपनी सामयिक और साहसिक कार्रवाई से कान्स्टेबल के जीवन को बचा लिया। मृत उपवादी की बात में अमृतसर जिले के अमर जीत सिंह उर्फ बिट्टू शर्मा के रूप में शिनाख्त की गई जो अनेक अपराधिक मामलों में शामिल था।

इस घटना में, श्री रविन्द्र कुमार सिंह, पुलिस उप-निरीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फल-स्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 अगस्त, 1987 से दिया जाएगा।

मु० नीलकण्ठन, निवेदनक

[गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1989

सं० 13019/1/88-जी० पी० ()—इस मंत्रालय की अधिसूचना सं० 13019/1/88-जी० पी० (1)—दिनांक 12-5-1988 में राष्ट्रपति, गृह मंत्री से संबद्ध संघ राज्य क्षेत्र दमण व दीव की सलाहकार समिति के निम्नलिखित सदस्यों

के कार्यकाल को तीन महीने अर्थात् 30-6-1989 तक बढ़ाते हैं :—

1. डा० पी० कपाडिया
2. श्री दयाभाई बी पटेल
3. श्री रामू भाई हल पाती
4. श्रीमती कमूबेन रामनभाई कमली

प्रकाश चन्द्र, उपसचिव

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली-110001 दिनांक 20 अप्रैल, 1989

सं० 11014/4/88-हिन्दी—कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के दिनांक 5 नवम्बर, 1985 के संकल्प सं० 11014/2/85-हिन्दी को अधिकांश करते हुए भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के लिए हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निश्चय किया है। इस समिति का गठन, कार्य आदि इस प्रकार होंगे :—

1. सरकारी सदस्य

1. श्री पी० चिदस्वरम, राज्य मंत्री, (कार्मिक अध्यक्ष)
2. श्री मनीश बहल, सचिव (कार्मिक) सदस्य
3. श्री आर० के० शर्मा, सचिव
राजभाषा विभाग सदस्य
4. श्री ए० आर० बंदोपाध्याय,
अपर सचिव (प्र० मु०) सदस्य
5. श्री ए० सी० तिवारी, अपर
सचिव (पेंशन) सदस्य
6. श्री जे० सी० लिन, स्थापना
अधिकारी सदस्य
7. श्रीमती कृष्णा सिंह, संयुक्त
सचिव, (ए० टी०) सदस्य
8. श्री डी० पी० बागची, संयुक्त सचिव
(सेवाएं) सदस्य
9. श्री ओ० पी० गुप्ता, संयुक्त सचिव
(के० से०) सदस्य
10. श्री के० ए० चन्द्रशेखरन,
संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) सदस्य
11. श्री एस० के० पार्थसारथी,
संयुक्त सचिव (स्था) सदस्य
12. श्री शम्भु दयाल, संयुक्त सचिव,
राजभाषा विभाग सदस्य
13. श्री बी० एस० बासवान, निदेशक,
आई० एस० टी० एम० सदस्य
14. श्री बी० एन० युगान्धर, निदेशक
ला० ब्र० शा० रा० प्र० अकादमी सदस्य

15. श्री एम० कावे, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो सदस्य पेंशन मंत्रालय और इसके सम्बन्ध अधीनस्थ कार्यालयों को सलाह देगी।
16. श्री एस० सी० मिल्लन, अध्यापक, कर्मचारी चयन आयोग सदस्य 4. कार्यकाल
17. श्रीमती बी० सेन, संयुक्त सचिव, (सतकता) सदस्य समिति का कार्यकाल सामान्य रूप से समिति के गठन की तारीख से निम्न बातों के अधीन 3 वर्षों का होगा :—
- (क) जो संसद सदस्य इस समिति का सदस्य है, वह संसद सदस्य न रहने पर इस समिति का सदस्य नहीं रह सकेगा।
- (ख) समिति के पदेन सचिव सदस्य तब तक सदस्य बने रहेंगे जब तक कि वे उस पद को धारण किए हुए हैं जिसके कारण उन्हें समिति का सदस्य बनाया गया है।
- (ग) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने अथवा इस्तीफा देने के कारण कोई स्थान रिक्त होता है तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य 3 वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य रहेगा।
2. गैर सरकारी सदस्य
18. श्री रामपाल सिंह, संसद सदस्य (लोक सभा) 50, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली सदस्य
19. श्री एस० बी० थोरट, संसद सदस्य (लोक सभा) 112, विट्ठलभाई पटेल हाउस, नई दिल्ली सदस्य
20. श्री रामेश्वर ठाकुर, संसद सदस्य (राज्य सभा) 15 गुरुद्वारा रकाव गंज रोड, नई दिल्ली सदस्य
21. श्री ईश दत्त यादव, संसद सदस्य, (राज्य सभा) 220, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली। सदस्य
22. श्री बंधु महतो, संसद सदस्य (राज्य सभा) 9, साउथ एवेन्यू, नई दिल्ली। संसदीय राज-सदस्य भाषा समिति द्वारा नामित
23. श्री एस० जगतेश्वर, संसद सदस्य (लोक सभा) 7, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली। सदस्य
24. श्री बी० बी० महाजन, सचिव, खाद्य विभाग एवं अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, (नाम से) एक्स० वाई०-68, सरोजिनी नगर, नई दिल्ली। सदस्य
25. श्री महादेव सुब्रमणियम, भूतपूर्व सचिव, कृषि मंत्रालय, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान होस्टल इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली सदस्य
26. श्री नवीन चन्द्र बरहोगाई, प्रोफेसर आफ इन्टरनेशनल एण्ड एडमिनिस्ट्रेटिव नाज, जोरहाट ला कालेज, जोरहाट, असम। सदस्य
27. श्री गोपाल राव एकबोट, सेवा निवृत्त मुख्य न्यायमूर्ति, आन्ध्र-प्रदेश उच्च न्यायलय, हैदराबाद सदस्य
3. कार्य
- यह समिति सरकारी प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित विषयों पर कार्मिक, लोक शिकायत तथा
5. सामान्य
- (i) समिति आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सदस्यों को सहयोजित कर सकेगी और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकेगी।
- (ii) समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा।
6. यात्रा तथा अन्य भत्ते
- गैर-सरकारी सदस्यों की बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दरों पर यात्रा तथा दैनिक भत्ते दिए जायेंगे।
- आदेश
- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति निम्नलिखित को प्रेषित की जाए :—
- राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री का कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, संसदीय राजभाषा समिति, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, लेखा परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व समिति के सभी सदस्य और भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग।
- यह भी आदेश है कि सर्वसाधारण की सूचनायें इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।
- श्रीमती बी० सेन, संयुक्त सचिव
- नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1989
- नियम
- सं० 10/1/89-के० से० (II)—कर्मचारी चयन आयोग, (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग), नई दिल्ली द्वारा केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा के ग्रेड "ब" में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए वर्ष 1989 के दौरान तीन माह में एक बार

शनिवार तथा रविवार और यदि आवश्यक हो तो उसके बाद पड़ने वाली छुट्टी/रविवार को ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बन्धित नियम जन साधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाने हैं।

2. केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का निर्धारण सरकार द्वारा समय-समय पर किया जाएगा। और अगर आवश्यक समझा गया कर्मचारी चयन आयोग को उसकी सूचना आयोग द्वारा परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए जाने से पहले दे दी जाएगी। भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित रिक्तियों के संबंध में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण किए जाएंगे।

(क) "भूतपूर्व सैनिक" का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने भारतीय संघ की थल सेना, नौ सेना तथा वायु सेना में नियमित रूप से किसी भी रैंक, चाहे योधी के रूप में अथवा अयोधी के रूप में सेवा की हो और

(क) जो ऐसी सेवा से अपनी पेंशन अर्जित करने के बाद सेवा निवृत्त हुआ हो; अथवा

(ख) जिसे ऐसी सेवा से सैनिक सेवा या अपने नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण चिकित्सा आधार पर कार्यमुक्त किया गया हो तथा जिसे चिकित्सा या कोई अन्य अक्षमता पेंशन दी गई हो; अथवा

(ग) जिसे उसके अपने अनुरोध पर अथवा स्थापना में कटौती के फलस्वरूप ऐसी सेवा से कार्य मुक्त किया गया हो; अथवा

(घ) जिसे ऐसी सेवा से उसके अपने अनुरोध पर नहीं बल्कि विनिर्दिष्ट कार्यविधि को पूरा कर लेने के बाद अथवा कदाचार या अकुशलता के कारण बर्खास्तगी या सेवा-मुक्ति की द्वारा कार्यमुक्त किया गया हो अथवा जिसे उपदान दे दिया हो तथा इसमें निम्नलिखित वर्गों के प्रादेशिक सेवा के कार्मिक शामिल हैं :—

(i) लगातार समाहित सेवा के पेंशनधारी;

(ii) सैनिक सेवा के कारण अशक्त हुए व्यक्ति; तथा

(iii) शौर्य पुरस्कार विजेता।

(ख) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति से ऐसे शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति अभिप्रेत है जिसमें शारीरिक खराबी हो अथवा अंग विकृति हो जिससे कार्य करने में हड़डी, मांस पेशियों तथा जोड़ों में सामान्य रूप से बाधा होती हो तथा दृष्टिहीन या आंशिक रूप से दृष्टिहीन व्यक्ति है।

परीक्षा में बैठने वाले शारीरिक रूप से विकलांगों तथा अन्य वर्ग के व्यक्तियों को लिखने के लिए कोई सहायक लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से अभिप्राय संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950 संविधान अनुसूचित जाती (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (अनुसूचित जनजाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति) द्वारा यथा संशोधित (संशोधन) आदेश, 1955, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंजमान और निकोबार) द्वीप समूह अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962, संविधान पांडिचेरी अनुसूचित जाति आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित जनजाति) उत्तर प्रदेश आदेश, 1967, संविधान (गोवा दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (गोवा दमन और दीव) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968, संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978 में उल्लिखित किसी एक जाति/जनजाति से है।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी। प्रवेश के प्रयोजन के लिए उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र परिशिष्ट-2 में दिए गए प्रपत्र के अनुसार सारे कागज पर भेजने होंगे। इन आवेदन पत्रों को संबंधित मंत्रालय/विभाग/कार्यालय द्वारा संवीक्षा के बाद परीक्षा लिए जाने वाले महीने से पिछले महीने की अधिक से अधिक 1 तारीख तक कर्मचारी चयन आयोग को अग्रेषित कर दिया जाएगा।

4. नियमित रूप से नियुक्त केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा का कोई भी स्थायी या अस्थायी अवर श्रेणी/उच्च श्रेणी लिपिक इस परीक्षा में बैठने तथा उन रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा देने का पात्र होगा।

4(1) सेवाकाल : उसने "निर्णायक तारीख" को (जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा समूह "ब" (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 के विनियम 2(क) में परिभाषित है। केन्द्रीय

सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड अथवा उच्च श्रेणी ग्रेड में कम से कम 2 वर्षों की अनुमोदित और लगातार सेवा की हो।

टिप्पण-1 : अनुमोदित और लगातार सेवा की दो साल की ऐसी अवधि सीमा उस स्थिति में भी लागू होगी जब कुल गिनी जाने वाली इस सेवा के लिए किसी उम्मीदवार द्वारा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड और उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में आंशिक रूप में सेवा की गई हो।

टिप्पण-2 : केन्द्रीय सचिवालय सेवा की अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड या उच्च श्रेणी के वे अधिकारी जो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से संवर्ग बाह्य पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा पात्र हो तो इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। यह शर्त उस अधिकारी पर भी लागू होती है जो स्थानान्तरण पर किसी संवर्ग बाह्य पद पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और यदि उस अधिकारी का केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता जा रहा हो।

टिप्पण-3 : अवर श्रेणी या उच्च श्रेणी ग्रेड में नियमित रूप में नियुक्त अधिकारी का अर्थ उस अधिकारी से है जिसका केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम 1962 के प्रारम्भ होने से केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के किसी संवर्ग में आबंटन हो या उसके पश्चात् उस सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च ग्रेड में दीर्घकालीन आधार पर जैसी भी स्थिति हो, निर्धारित कार्य पद्धति के अनुसार नियुक्त हों।

(2) आयु : इस परीक्षा के लिए किसी उम्मीदवार की आयु "निर्णायक तारीख" को (जैसा कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा समूह "घ" (प्रतियोगिता परीक्षा विनियम 1969 के नियम 2 (क) में परिभाषित है) 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(3) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में स्थापन के बाद कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो उनकी सशस्त्र सेना कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी। इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार सभी रिक्तियों के लिए प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

टिप्पणी :—उपरोक्त नियम 3 के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आवाहन पर सेवा ("काल आफ सर्विस") की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी।

5. ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और ढील दी जा सकेगी :—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उगने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, या तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी जेरे और इथोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(vii) यदि उम्मीदवार सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किये गये रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कर्मियों के लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कर्मियों के लिए जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल प्रमाणपत्र है, और जो वियतनाम में जुलाई, 1975 के बाद आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (xiv) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है तथा भारत मूलतः वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति (भारतीय पारपत्र धारी) है तथा साथ ही वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी आपातकाल प्रमाणपत्र रखने वाला ऐसा उम्मीदवार है जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो अधिकतम आठ वर्ष तक और
- (xv) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है और वह आंशिक रूप से बहरा है तो अधिक से अधिक 10 वर्ष।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी दशा में छूट नहीं दी जा सकती है।

6. परीक्षा में असफल होने वाला उम्मीदवार अगली परीक्षा में बैठने का पात्र नहीं होगा, परन्तु उससे अगली या उसके बाद की ही परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

7. ऐसे किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा जिसके पास आयोग द्वारा दिया गया प्रवेश पत्र न हो।

8. सामान्य उम्मीदवारों को रु० 8.00 (केवल रु० आठ) की निर्धारित फीस पोस्टल आर्डरों या बैंक ड्राफ्टों के द्वारा देनी होगी। (भूतपूर्व सैनिक, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा विकलांग उम्मीदवारों द्वारा कोई फीस नहीं दी जानी है)।

9. अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी भी साधन द्वारा समर्थन प्राप्त करने के प्रयास किए जाने से प्रवेश के लिए उसे अनर्हक किया जा सकेगा।

10. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति के छद्म रूप से कार्य साधन कराया है; अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो; अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिया है या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है; अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है; अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (viii) उत्तर पुरितताओं पर असंगत बातें लिखीं हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो,
- (xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को उत्प्रेरित करने का प्रयास किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासिक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए आयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए,
- (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चरण के लिए,
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नीकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

11. परीक्षा के बाद उम्मीदवारों को आयोग द्वारा एक सूची में प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम के अनुसार रखा जाएगा और इसी क्रम में उतने उम्मीदवारों को, जितनों को आयोग द्वारा, उत्तीर्ण समझा जाएगा केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा ग्रेड "घ" के पदों में परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

लेकिन यह भी शर्त है कि यदि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भी की गई हो तो कर्मचारी चयन आयोग द्वारा निर्धारित सामान्य स्तर के अनुसार उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त घोषित कर देने पर उसे सेवा/पद में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान किए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी।

टिप्पणी:—

उम्मीदवारों को यह भी स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक। परीक्षा के परिणामों के आधार पर सेवा के ग्रेड "घ" में नियुक्ति किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या का निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह सक्षम है। इसलिए कोई भी उम्मीदवार अधिकार के तौर पर इस बात का कोई दावा नहीं करेगा कि उसके द्वारा परीक्षा में दिए गए उत्तरों के आधार पर उसका नाम (आणुलिपिक ग्रेड "घ" में) शामिल किया जाए।

12. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना देने के रूप तथा ढंग का निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

13. परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाने से चयन का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि संवर्ग प्राधिकारी आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि सेवा में उसके आचरण को देखते हुए उम्मीदवार हर प्रकार से चयन के लिए उपयुक्त है।

जो उम्मीदवार परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन पत्र देने या परीक्षा में बैठ जाने के बाद अपने पद से त्यागपत्र दे देता है अथवा अन्य किसी प्रकार से उस सेवा को छोड़ देता है या उसके अपना संबंध विच्छेद कर लेता है या जिसकी सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है या वह किसी संवर्ग बाह्य पद या दूसरी सेवा में "स्थानान्तरण" द्वारा नियुक्त किया जाता हो और केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में धारणाधिकार न रखता हो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

तथापि यह उस उम्मीदवार पर लागू नहीं होता जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त किया जा चुका हो।

डा० रवीन्द्र सिंह, अवर सचिव

परिशिष्ट-I

उम्मीदवारों को अंग्रेजी में या हिन्दी में 10 मिनट की एक श्रुतिलेख की परीक्षा 80 शब्द प्रति मिनट की गति से देनी होगी। जो उम्मीदवार अंग्रेजी परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें 65 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी में परीक्षा देने का विकल्प देंगे उन्हें क्रमशः 75 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा।

आणुलिपि परीक्षा के लिए अधिकतम अंक 300 होंगे।

टिप्पणी:—जो उम्मीदवार आणुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद अंग्रेजी आणुलिपि और जो उम्मीदवार आणुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आणुलिपि सीखनी होगी।

2. उम्मीदवारों को अपने आणुलिपि के नोटों का टाइपराइटर पर लिप्यन्तरण करना होगा और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपने साथ अपने टाइपराइटर लाने होंगे।

परिशिष्ट-II

प्रपत्र

कर्मचारी चयन आयोग

ग्रेड "घ" आणुलिपिक प्रतियोगिता परीक्षा

अंतिम तारीख—परीक्षा के महीने में

पहले के महीने की 1 तारीख

यहां उम्मीदवार के पास पोर्ट साइज के फोटो की हस्ताक्षरित प्रति चिपकाई जाए। दूसरी हस्ताक्षरित फोटो की प्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न की जानी चाहिए।

- (1) पोस्टर आर्डर/बैंक ड्राफ्ट का विवरण और मूल्य
- (2) उम्मीदवार का नाम श्री/श्रीमती/कुमारी (साफ अक्षरों में)
- (3) सही जन्म तिथि (ईस्वी सन् में)
- (4) जिस कार्यालय में कार्य कर रहे हों उसका नाम तथा पता
- (5) क्या आप :
 - (i) अनुसूचित जाति
 - (ii) अनुसूचित जनजाति

(iii) भूतपूर्व सैनिक

(iv) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति है ?

उत्तर हां अथवा नहीं में दें ।

(6) (i) पिता का नाम

(ii) पति का नाम

(महिला उम्मीदवार के मामले में)

(7) जिस भाषा (हिन्दी अथवा अंग्रेजी) में आप आणु-लिपिक परीक्षा देना चाहते हैं, उसका नाम लिखें ।

(8) क्या आप पिछली परीक्षा में बैठे थे यदि हां तो अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा का महीना लिखें ।

(9) क्या आप केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी/उच्च श्रेणी ग्रेड के स्थायी अथवा नियमित से नियुक्त अस्थायी अधिकारी हैं ? और क्या आपने उस वर्ष की पहली जनवरी को जिसमें परीक्षा होनी है संगत ग्रेड में न्यूनतम दो वर्ष की अनुमोदित लगातार सेवा कर ली है ।

(10) यदि आप सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर हैं अथवा संवर्ग बाह्य पद पर स्थानान्तरण के आधार पर हैं तो क्या आप पूर्व पद पर अपना धारणाधिकार (लियन) रखेंगे ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

उस कार्यालय के विभागाध्यक्ष द्वारा भरा जाने के लिए जिसमें उम्मीदवार सेवा कर रहा है ।

प्रमाणित किया जाता है कि :—

(1) आवेदन पत्र के कालमों में उम्मीदवार द्वारा की गई प्रविष्टियों को उसके सेवा रिकार्डों से जांच कर ली गई और वे सही हैं ।

(2) उसके आवेदन पत्र की जांच कर ली गई है और प्रमाणित किया जाता है कि वह नियमों के निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करता है तथा वह परीक्षा में बैठने के लिए सभी तरह से पात्र है ।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

विभाग/कार्यालय

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1989

संकल्प

सं० ई० 11011/18/88-रा० भा०—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के तारीख 20 नवम्बर, 1985 के समय-समय पर तथा संशोधित संकल्प फा० सं० ई० 11011/20/85 रा० भा० को अधिक्रान्त करते हुए भारत सरकार ने राजस्व और व्यय विभागों की हिन्दी सलाहकार समिति का निम्नानुसार पुनर्गठन किया है :—

- | | |
|--|-----------|
| 1. वित्त मंत्री | अध्यक्ष |
| 2. वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (व्यय) | उपाध्यक्ष |
| 3. वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (राजस्व) | उपाध्यक्ष |
| 4. वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (बैंकिंग) | उपाध्यक्ष |
| 5. श्री बी० देवराजन, संसद सदस्य (लोक सभा) | सदस्य |
| 6. श्री सत्येन्द्र चन्द मुडिया, संसद सदस्य (लोक सभा) | सदस्य |
| 7. श्री राम सिंह भाई रथवाकोली, संसद सदस्य (राज्य सभा) | सदस्य |
| 8. श्री रसीद मसूद, संसद सदस्य (राज्य सभा) | सदस्य |
| 9. श्री बालकवि बैरागी, संसद सदस्य (लोक सभा) | सदस्य |
| 10. श्री बी० तुलसीराम, संसद सदस्य (लोक सभा) | सदस्य |
| 11. श्री शंकर राय लॉड, शान्ति निवास, गाडसे नगर, अमरावती-444603 | सदस्य |
| 12. श्री द्वारका दास जी वैद, प्रधान मंत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, पो० हिन्दीनगर, वर्धा-442003 | सदस्य |
| 13. श्री अवध नारायण मुदगिल, सम्पादक, "सारिका" 300 डी, मयूर बिहार, पाकेट-II, दिल्ली-210091 | सदस्य |
| 14. डा० रामचन्द्र तिवारी, अवकाश प्राप्त लेखक/सम्पादक, 313/90, तुलसी नगर रास बिहारी मार्ग, दिल्ली । | सदस्य |
| 15. श्री मनोहर सिंह बन्ना, एम-211, ग्रेटर कलाश पार्क-2, नई दिल्ली । | सदस्य |
| 16. प्रोफेसर जयदेव अग्रवाल, निदेशक, भारतीय वित्त संस्थान, बी-3/83, अशोक बिहार, फेस-2, दिल्ली । | सदस्य |

संख्या

तारीख

टिप्पणी :—जो उम्मीदवार एक बार फेल हो जाता है वह केवल अगले तीनों महीनों के बाद की परीक्षा में बैठ सकता है अर्थात् जो उम्मीदवार अप्रैल में ली जाने वाली परीक्षा में फेल हो जाए तो वह अगस्त अथवा उसके बाद होने वाली परीक्षा में बैठ सकता है ।

17. डा० विश्वनाथरायण शास्त्री, सदस्य
भूतपूर्व संसद सदस्य, रिटायो, रेडक्रास रोड,
सांदमारी, गोहाटी (असम)।
18. प्रधान, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, सदस्य
एक्स बाई-68, मरोजिनी नगर, नई
दिल्ली।
19. हिन्दी मनाहकार एवं सचिव, सदस्य
राजभाषा विभाग
20. सचिव, (वित्त) नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
21. सचिव (राजस्व), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली। सदस्य
22. सचिव (व्यय), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली। सदस्य
23. अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई सदस्य
दिल्ली।
24. अध्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा सदस्य
शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली।
25. महानिदेशक, निरीक्षण महानिदेशालय सदस्य
(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व सीमा शुल्क),
नई दिल्ली।
26. निदेशक, आयकर निदेशालय, (गवेषणा), सदस्य
सांख्यिकी व जनसम्पर्क), नई दिल्ली।
27. विस्तीय सलाहकार, वित्त मंत्रालय, सदस्य
नई दिल्ली।
28. भारत का उप नियंत्रक महालेखा परीक्षक, सदस्य
बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।
29. संयुक्त सचिव (प्रशासन), आर्थिक कार्य सदस्य
विभाग, नई दिल्ली।
30. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, सदस्य
लोक नायक भवन, नई दिल्ली।
31. सदस्य (विधायी और न्यायिक), सदस्य सचिव
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली।

2. कार्य

समिति, सरकारी कार्यों में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित मामलों में मंत्रालय (राजस्व एवं व्यय विभागों) को सलाह देगी।

3. कार्यकाल

समिति का कार्यकाल, उसके गठन की तारीख से तीन वर्ष का होगा, परन्तु—

- (1) समिति में नामजद संसद सदस्य जब संसद सदस्य नहीं रहेंगे तब वे इस समिति के सदस्य भी नहीं रहेंगे; और
- (2) समिति के कार्यकाल के दौरान रिक्त हुए स्थानों पर नियुक्त सदस्य केवल तीन वर्ष की श्रेणी अधिनियम के लिए सदस्य रहेंगे।

4. विविध

- (1) समिति, आवश्यकतानुसार, अतिरिक्त सदस्यों को सहयोजित कर सकेगी और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकेगी अथवा उप-समितियां नियुक्त कर सकेगी;
- (2) समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा लेकिन समिति अपनी बैठकें किसी अन्य नगर में भी कर सकती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व लेखा परीक्षा निदेशक, समिति के सभी सदस्यों और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० जे० रेड्डी, अपर सचिव

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 अप्रैल 1989

सं० एफ० 6-5/89-एफ० पी०-दिसम्बर, 1988 में घोषित संशोधन राष्ट्रीय वन नीति तथा वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में दिसम्बर, 1988 में किए गए संशोधनों पर संसद तथा अन्य क्षेत्रों में काफी चर्चा हुई है। इन चर्चाओं में वनों की बेहतर सुरक्षा तथा संरक्षण की आवश्यकता पर तथा इस बात पर बल दिया गया है कि इन प्रावधानों के कार्यान्वयन से वन-क्षेत्र में रह रहे लोगों को अपनी विकासीय वास्तविक आकांक्षाओं को पूरा करने में बाधा नहीं पड़ेगी। यह स्पष्ट किया गया है कि संशोधित वन नीति का लक्ष्य वनों की क्षीणता की प्रवृत्ति को रोकना, पर्यावरणीय तथा पारिस्थितिकीय स्थिरता को सुनिश्चित करना और लोगों की विशेषकर निर्धन ग्रामीण तथा आदिवासियों को जीविका के लिए अधिक सुरक्षा सुनिश्चित करना होगा चाहिए।

इन मामलों की जांच करने तथा उपयुक्त उपायों की सिफारिश करने के उद्देश्य से सरकार ने निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति गठित की है :—

- | | |
|---|---------|
| 1. श्री दलीप मथाई | अध्यक्ष |
| 2. श्री अरविंद नेताम, संसद सदस्य | सदस्य |
| 3. श्री साइमन, टिग्गा, संसद सदस्य | सदस्य |
| 4. श्री पी० के० थुंग., संसद सदस्य | सदस्य |
| 5. श्री माणिक राव हावल्ला गावित, संसद सदस्य | सदस्य |

6. श्री स्वेत हेम्बराम, विधान सभा सदस्य	सदस्य
7. श्री बी० डी० शर्मा	सदस्य
8. श्री बृजेन्द्र मिश्र	सदस्य
9. श्री नरेण खेदी	सदस्य
10. श्रीमती राधा भट्ट	सदस्य
11. श्री लाला बिद्या	सदस्य
12. वन महानिरीक्षक पर्यावरण और वन मंत्रालय	सदस्य-सचिव

3. समिति की शर्तें निम्नलिखित हैं :—

- (1) राष्ट्रीय संदर्भ में वनों की पारिस्थितिकीय भूमिका की जांच तथा व्याख्या करना और यह बताना कि इसे किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है।
- (2) देश में वन सुरक्षा और संरक्षण के लिये संरचनात्मक ढांचा तैयार करना।
- (3) संरक्षण की आवश्यकता और साथ ही लोगों की विशेषकर वनों में तथा वनों के आसपास रहने वाले लोगों की विकासीय आकांक्षाओं को पूरा करने की दृष्टि में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 तथा राष्ट्रीय वन नीति, 1988 के कार्यान्वयन के पहलुओं की जांच करना।
- (4) कार्यान्वयन नीति तथा इस उद्देश्य के लिये आवश्यक लोक सहायता प्रणाली सहित संस्थागत प्रबन्धों का प्रस्ताव रखना।

4. समिति अपने दिल्ली में अपने मुख्यालय में कार्य करेगी तथा कार्य करने के लिए अपने नियम और कार्यविधि बनायेगी। समिति देश के किसी भी क्षेत्र, जिसे आवश्यक समझे, है दौरा करा सकती है। गैर सरकारी व्यक्तियों के केन्द्र सरकार के प्रथम श्रेणी के अधिकारियों के समान यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता दिया जायेगा।

5. समिति इसके गठन की तारीख से चार माह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

के० एम० चड्ढा, संयुक्त सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1989

संकल्प

सं० एफ 8-1/88 संस्कृत-2—इसे मंत्रालय के दिनांक 11 जुलाई, 1984 के संकल्प संख्या 8-1/84 संस्कृत-2 का अतिरूपण करते हुए केन्द्रीय संस्कृत बोर्ड को एतद्वारा 1 मार्च, 1989 से पुनर्गठित करने का संकल्प पारित किया जाता है।

(क) संरचना

बोर्ड की संरचना निम्न प्रकार से होगी :—

1. डा० शंकर दयाल शर्मा,	अध्यक्ष
भारत के उप-राष्ट्रपति	
2. डा० रंजना प्रमोद द्विवेदी,	सदस्य
प्रा० अध्यक्ष गालिय विभाग,	
प्राच्य शिक्षा अकादमी,	
व० हि० त्रि०, वाराणसी।	
3. डा० राम चन्द्र द्विवेदी,	सदस्य
डीन, संस्कृत अध्ययन संकाय,	
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।	
4. डा० एम० बी० वासुदेवाचार्य,	सदस्य
117, कोठान वारभास्वामी, कोहल स्ट्रीट,	
वैस्ट माधवालय, मद्रास-600033	
5. डा० (श्रीमती) प्रेम लता शर्मा,	सदस्य
कुलपति,	
खैरा गढ़ विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश।	
6. डा० मंडन मिश्रा,	सदस्य
प्रधानाचार्य, लालबहादुर शास्त्री	
केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ,	
कटवारिया सराय, नई दिल्ली।	
7. डा० (श्रीमती) एस० ए जानकी,	सदस्य
निदेशक, कुप्पुस्वामी शास्त्री अनुसंधान	
संस्थान, 84, रोयापेठ हाई रोड,	
माइलापुर, मद्रास-600004	
8. श्री सुरिन्द्र ब्रह्मचारी,	सदस्य
बिहार विश्वविद्यालय,	
भूतपूर्व कुलपति,	
दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय,	
दरभंगा।	
9. श्री किरीट जोशी,	सदस्य
सदस्य सचिव,	
राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान,	
10, तालकटोरा लेन, नई दिल्ली।	
10. वित्त सलाहकार,	सदस्य
मानव संसाधन विकास मंत्रालय	
11. निदेशक;	सदस्य
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान,	
ए-40, विशाल एनक्लेव,	
राजा गार्डन, नई दिल्ली।	
12. अध्यक्ष,	सदस्य
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	
बहादुर शाह जफर मार्ग,	
नई दिल्ली।	
13. कुलपति,	सदस्य
कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत	
विश्वविद्यालय दरभंगा।	

14. कुलपति, सदस्य
मम्पूणनिन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वागणसी।
15. कुलपति, सदस्य
गुप्तमुनि गांगुली विश्वविद्यालय, हृम्तिहार।
16. कुलपति/प्रधानाचार्य, सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ
तिरुपति।
17. संयुक्त शिक्षा सलाहकार/अपर सचिव सदस्य
संस्कृत प्रभाग का कामकाज देखने
वाले
18. उप-शिक्षा सलाहकार सदस्य-सचिव
(संस्कृत)

(ख) कार्यकाल

बोर्ड के गैर-सरकारी सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा जो 1 मार्च, 1989 से गिना जाएगा बशर्ते कि :—

1. बोर्ड के पदेन सदस्य, सदस्य के रूप में तब तक बने रहेंगे जब तक कि वे उस पद को धारण करते हैं जिससे वे बोर्ड के सदस्य बने हैं।
2. अध्यक्ष के अलावा, जो पूर्ण तीन वर्ष तक पूर्ण अवधि के लिए कार्यभार संभालेंगे, अन्य नामित सदस्य तब तक बने रहेंगे जब तक भारत सरकार चाहेगी।
3. जब भी आवश्यक समझा जाएगा भारत सरकार गैर-सरकारी सदस्य नामित कर सकती है।
4. यदि किसी सदस्य के त्याग पत्र देने, मृत्यु आदि से बोर्ड में कोई स्थान रिक्त होता है तो वह स्थान भारत सरकार द्वारा नए नामांकन द्वारा भरा जा सकता है और इस प्रकार उ रिक्त स्थान पर नामित व्यक्ति तीन वर्ष के सेवाकाल की शेष अवधि तक पद पर बना रहेगा।

(ग) कार्यकरण

बोर्ड निम्न विषयों पर भारत सरकार को सलाह देगा :—

1. संस्कृत के प्रचार और प्रसार से संबंधित नीति के बारे में।
2. विभिन्न स्तरों पर संस्कृत भाषा की पद्धति, पाठ्य-क्रमों का समन्वय, शिक्षण और इसी प्रकार के कार्यकलाप, पाठ्यार्थ का मानकीकरण परीक्षाएँ और डिग्रियाँ, विभिन्न प्रकार के शिक्षकों की अर्हताएँ तथा उनका प्रशिक्षण संबंधी प्रबन्ध।
3. देश भर में विभिन्न संस्थाओं द्वारा किए जा रहे संस्कृत अध्ययन से संबंधित कार्य का समन्वय करना।
4. पाठशाला शिक्षा पद्धति और निजी रूप से व्यवस्थित अनुसंधान संस्थानों में सुधार लाने और उनके विकास के लिए अपनाई जाने वाली पद्धतियों।
5. उन्नत संस्कृत पाठ्य पुस्तकों के प्रचार और प्रकाशन के लिए अपनाई जाने वाली विधियाँ।

6. मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायक अनुदान के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों की जाँच कर के लिए उप समितियाँ गठित करना।

(घ) समितियाँ :

बोर्ड, अपने कार्यों को उचित रूप में निष्पादित करने के लिए जैसा भी उचित मसौने समितियों/उप समितियाँ गठित कर सकता है। इन समितियों/उप-समितियों के सदस्यों का नामांकन बोर्ड के अध्यक्ष करेंगे।

(ङ) कोरम

बोर्ड समितियों/अथवा उप समितियों की बैठक के लिए कोरम बोर्ड/समितियों/उप-समितियों के कुल सदस्यों का एक तिहाई होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति, सभी राज्य सरकारों और संघ शासित प्रदेशों, मंत्री मंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वे साधारण की सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सोम० डी० दीक्षित,
उप-शिक्षा सलाहकार (संस्कृत)

वाणिज्य मंत्रालय (पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1989

संकल्प

सं० पी-3-26(2)/75—तत्कालीन पूर्ति तथा पुनर्वासि मंत्रालय (पूर्ति विभाग) के दिनांक 3 जून, 1981 के संकल्प सं० पी०-3-(26 (2)/75 में निम्नलिखित संशोधन किया जाए :—

पैरा-1(6) के अन्तर्गत (क) के सामने

“एसोसिएशन आफ इंडियन इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट्स” शब्दों के स्थान पर

“कनफ़ेडरेशन आफ इंडीनियरिंग इंस्टीट्यूट्स” शब्द लिखे जाएं।

आदेश

आवेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति केन्द्रीय क्रय सलाहकार परिषद के सभी सदस्यों और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ज्ञात प्रकाश कालड़ा, निदेशक

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 10th May 1989

No. 40-Pres/89.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and rank of the Officers

Shri Kirpal Singh,
Deputy Superintendent of Police,
20 Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri Sadashiv Singh,
1./Naik No. 710200838,
20 Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri Bhoop Singh,
Constable No. 830200291,
20 Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri Mohd. Khalil,
Constable No. 690160184,
20 Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri Shakti Singh,
Constable No. 720200047,
20 Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 6th May, 1988, at about 1545 hours, Shri Kirpal Singh, Deputy Superintendent of Police, 20 Battalion, Central Reserve Police Force got information about the movement of terrorists in a nearby farm house. Shri Kirpal Singh immediately with a section of Central Reserve Police Force (including 1./Naik Sadashiv Singh, Constable Mohd. Khalil, Constable Bhoop Singh and Constable Shakti Singh) along with Inspector Gurmeet Singh, SHO Rajpura, moved towards the Bannur-Ambala Road. Shri Kirpal Singh after briefing his men, moved towards the farm house. As they reached the farm house, they were informed by a farm labourer that on seeing the force the terrorists have sneaked to the next tube-well. On reaching the next tube-well they found an abandoned Rajdoot Motor Cycle, one loaded .38 revolver with 6 rounds and a satchel containing KCF literature. As Shri Kirpal Singh was making further reappraisal of the situation, he saw one suspicious Sikh youth running in the opposite direction. Shri Kirpal Singh directed SHO, Rajpura, along with other personnel to chase him and he along with his section moved to cut off the escape route of the terrorists towards Bannur. While searching the fields, they heard firing from the direction in which the SHO, Rajpura had gone. They rushed towards the Bannur-Rajpura flank to cut off their escape route and to engage the terrorists from the village side.

1./Naik Sadashiv Singh, who was carrying a LMG was ordered to cover the move of the raiding party. He along with Constables Mohd. Khalil, Bhoop Singh, Shakti Singh, took advantage of every opportunity and exchanged fire with fleeing terrorists, who while running fired heavily from their AK-47 Chinese rifles on the police party. 1./Naik Sadashiv Singh and Constable Mohd. Khalil chased the terrorists for about 5 kilometres and forced the terrorists to move towards Jangpura drain. The terrorists were then surrounded in a semi-circle by S/Shri Kirpal Singh, Sadashiv Singh, Mohd. Khalil, Bhoop Singh and Shakti Singh. In order to get an advantage over the terrorists they crawled for at least 50 metres under heavy firing by the terrorists. They managed to reach near the terrorists' vantage positions. The police party was now faced with a do or die situation. In order to draw the fire of the terrorists and pin-point their position, Shri Kirpal Singh asked Constable Bhoop Singh to move forward from his position. As Constables Bhoop Singh left his position and moved slowly and tactically forward, the terrorists opened fire on him and pinned him down. The remaining police party, already alert and watchful, returned the fire on the terrorist's hide out. One of the injured terrorists, however, was able to fire one round on Constable Bhoop Singh which luckily missed him. Before the terrorist could fire again, Constable Mohd. Khalil in quick action shot the terrorist dead. The Police party on reaching the

spot found two Sikh youths dead with bullet injuries and with AK-47 Chinese rifles in their hands.

On search of the area two AK-47 Chinese assault rifles and about 200 fired and 1019 live rounds of AK-47 were recovered. The dead terrorists were later identified as Daljinder Singh and Balwinder Singh who were involved many killings and terrorists' acts.

In this encounter Shri Kirpal Singh, Deputy Superintendent of Police, Shri Sadashiv Singh, Lance Naik, Shri Bhoop Singh, Constable, Shri Mohd. Khalil, Constable and Shri Shakti Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from 6th May 1988.

No. 41-Pres/89.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

Name and rank of the officer

Shri Mohan Singh, (Posthumous)
Head Constable No. 360,
Police Station Padav,
District Gwalior.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 10th June, 1986, Head Constable Mohan Singh and Constable Pancham Singh of Police Station Padav were on beat duty at Station Bazariya. At about 2000 hours they heard a gun shot from inside Sharma Hotel which is situated at Station Bazariya. On hearing the gun shot, both Head Constable and Constable went inside the Hotel and saw a military man armed with his SLR Gun, attempting to shoot at the proprietor of the hotel. There had been exchange of some hot words between the military man and the Hotel Keeper and the customers. The military man lost his temper and opened fire to kill the customers and the proprietor of the Hotel but missed the target. Head Constable Mohan Singh unmindful of his personal safety, tried to snatch away the rifle from the military man. In the scuffle Head Constable Mohan Singh succeeded in saving the life of the proprietor and the customers but unfortunately become the target of the military man, who fired on him from a very close range. Although Shri Mohan Singh received grievous injury but he did not lose heart and fought with the armed Military man till he breathed his last.

In this incident, Shri Mohan Singh, Head Constable, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 10th June, 1986.

No. 42-Pres/89.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Punjab Police :—

Names and rank of the officers

Shri Manmohan,
Constable (No. 311/Jul), (now Head Constable)
District Jalandhar

Shri Lachhman Dass,
Constable (No. 567/Jul), (now Head Constable)
District Jalandhar.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 1st July, 1986, at about 8.45 a.m., one Shri Baldev Krishan Khullar of Model Town went to the shop of Shri Raj Pal Khanna, along with his gunmen namely: Shri Manmohan, Constable and Shri Lachhman Dass, Constable for making some purchases. While Shri Khullar was inside the shop the gunmen remained outside the shop. At this time two extremists came on a grey colour scooter, stopped the vehicle and one of them fired a shot with his revolver at Constable Manmohan which hit him on the left thigh. Constable Lachhman Dass was also hit in the neck. At this

time two more extremists armed with sten-guns arrived on the spot for giving support to their accomplices. Though injured, Constable Manmohan fired back and injured the extremists. On getting information about opening of fire by extremists in the Model Town area, another Police party reached the spot and chased the injured extremists. The Police party managed to over-power the two injured extremists, who disclosed their identity as Balbir Singh and Ajit Pal Singh. One Sten-gun with two magazines and five cartridges were recovered from the possession of Ajit Pal Singh. Both the extremists were immediately removed to Civil Hospital, Jalandhar, for medical treatment where they succumbed to their injuries.

In this incident, Shri Manmohan, Constable (now Head Constable) and Shri Lachhman Dass, Constable (now Head Constable), displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(j) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st July, 1986.

No. 43-Pres/89.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Punjab Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Rachhpal Singh, (Posthumous)
Assistant Sub-Inspector of Police (No. 2037),
Patiala.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 18th August, 1987, at about 9.00 P.M., while Shri Rachhpal Singh, Assistant Sub-Inspector of Police and Shri Bhim Sain, Constable, were on patrol duty and checking a petrol pump in the area of Police Station Bhadson, a white Maruti Van came there and the driver of the Van enquired for petrol. Shri Rachhpal Singh, Assistant Sub-Inspector and Shri Bhim Sain, Constable, went near the vehicle to direct as to from where they could get the petrol at that time. But the occupants of the Van suddenly opened fire on Shri Rachhpal Singh and Shri Bhim Singh, injuring both of them. Shri Rachhpal Singh sustained three bullet injuries above abdomen but despite that he drew up his revolver and fired five shots at the terrorists in the van as a result of which one of the terrorists Manjit Singh *alias* Manju of the so called Khalistan Commando Force was seriously injured. The terrorists fled away taking Manjit Singh in their van. During the investigations of the case it was revealed that the injured terrorist Manjit Singh was taken to Dera Jathedar Harkirat Singh where he succumbed to his injuries and was cremated there by the terrorists. Shri Rachhpal Singh, who was seriously injured, was taken to hospital but succumbed to his injuries on the way.

In this incident Shri Rachhpal Singh, Assistant Sub-Inspector of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 18th August, 1987.

No. 44-Pres/89.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of Chandigarh Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Jagjit Singh, (Posthumous)
Inspector of Police (No. CHG-16),
Chandigarh.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On receipt of an information on the intervening night of 16th/17th July, 1988 that one Varinder Pal Singh, an extremist, recently released on bail, was putting up along with some armed extremists in House No. 2195/1, Sector 45 B, Chandigarh, a raiding party headed by Shri Sudhir Mohan, Deputy Superintendent of Police, reached the place of hiding and took position. Inspector Jagjit Singh was also in the party.

The Police party found the house bolted from inside and after taking due precaution rung the door bell and the door was opened by Varinder Pal Singh.

On interrogation, Varinder Pal Singh denied to have kept the armed terrorists in his house. During the search no incriminating evidence was found except that one room was locked. On being asked, Varinder Pal Singh told that he had sub-let the room. With a view to check the room, the raiding party broke the lock. Inspector Jagjit Singh was the first to enter the room and found three terrorists, one of them holding an AK-47 rifle. As soon as the terrorist tried to open fire, Inspector Jagjit Singh jumped forward to snatch the rifle to save other policemen from being massacred but the terrorist opened fire killing him on the spot. In the meantime, other policemen took defensive position. In the melee Varinder Pal Singh also joined the terrorists and under the cover of fire and darkness, the terrorist escaped through the window. The Police party returned the fire and chased the fleeing terrorists for about half a kilometre. The firing from both sides lasted for about 15—20 minutes. In the exchange of fire three terrorists were killed and one escaped with AK-47 rifle.

In this encounter, Shri Jagjit Singh, Inspector of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from 17th July, 1988.

No. 45-Pres/89.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and rank of the Officers

Shri Bhagat Singh,
Commandant,
11 Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri Chhattar Singh,
Naik No. 690482449,
11 Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri B. B. Choubey,
Constable/Driver No. 801310172,
11 Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 17th October, 1987, Shri Bhagat Singh, Commandant, 11th Battalion, Central Reserve Police Force received information that about 25 kilometres from the Battalion Headquarters a dreaded terrorist Jasbir Singh *alias* Lally was hibernating in the area of Village Harkhowal, Police Station Sadar Hoshiarpur. Shri Bhagat Singh after quick briefing to his men decided to launch an offensive resolutely on the hide-out to apprehend the terrorist. He formed a party of fourteen officers and men and left in two jeeps for the operation.

Shri Bhagat Singh had a quick appraisal of situation and topography before entering village Pandori Bibi. While still on wheels, he spotted two sikh youths coming from opposite direction on a scooter. Shri Bhagat Singh felt that they were the wanted armed terrorists and after observing all tactical precautions he challenged them to stop. The scooter-borne terrorists suddenly fired at Shri Bhagat Singh. He immediately ducked and had a providential escape. Shri Bhagat Singh shouted to his party members and resorted to retaliatory firing at the terrorists. The terrorists abandoned the scooter, took vantage position and started indiscriminate firing. Naik Chhattar Singh, who was in the jeep with Shri Bhagat Singh jumped out of the vehicle, joined the fray and came to re-enforce the Commandant's action. Shri Bhagat Singh and Shri Chhattar Singh, pinned down the terrorists firing at them with their personal weapons. In the firing one of the terrorists died on the spot.

The second vehicle also joined the first party keeping a safe distance. Constable/Driver B. B. Choubey of this vehicle, without caring for his personal safety, pounded upon the second terrorist, who was still firing with the sten-gun at the

first party. The terrorist was completely neutralised and overpowered in the melee dispossessing his sten-gun. In the meantime, Naik Chhattar Singh fired a shot at the terrorist and killed him on the spot. The dead extremists were later identified as Jasbir Singh *alias* Lally, and Balwinder Singh *alias* Binda. Both the terrorists were involved in a number of murder and dacoity cases.

In this encounter, Shri Bhagat Singh, Commandant, Shri Chhattar Singh, Naik and Shri B. B. Choubey, Constable/Driver displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 17th October, 1987.

No. 46-Pres/89.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned Officer of the Central Reserve Police Force :—

Name and rank of the Officer

Shri Ravinder Kumar Singh,
Sub-Inspector of Police No. 680394014,
49 Battalion,
Central Reserve Police Force,
Amritsar.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 6th August, 1987, a Section of Commando Squad under the command of Sub-Inspector Ravinder Kumar Singh laid a special naka at about 0600 hours at Katra Dal Singh Chowk, behind Golden Temple Complex, Amritsar, for checking suspected persons as there was information that some hardcore terrorists were present inside the Golden Temple Complex.

At about 8.30 hours they intercepted two cyclists coming through the lane from Kaulsar market joining Katra Dal Singh Chowk. The cyclist tried to run away after leaving their cycles. The naka party chased the suspected persons for a long distance through the lanes in the market area. Constable Kuldeep Singh managed to catch hold of one of them from his back and grappled with him. In a bid to scare off the Constable, the terrorist fired few shots from his pistol but the Constable tactically saved himself. Sub-Inspector Ravinder Kumar Singh and a Constable immediately rushed to the spot to rescue Shri Kuldeep Singh but in the meantime the terrorist managed to release himself. Seeing that the terrorist was about to shoot the Constable, Shri Ravinder Kumar Singh, without caring for his personal safety, fired from his pistol effectively and hit the terrorist who died on the spot. The timely and courageous action of Shri Ravinder Kumar Singh saved the life of the Constable. The dead extremist was later identified as Amarjit Singh *alias* Bittu *alias* Sharma of Amritsar District who was involved in a number of criminal cases.

In this incident, Shri Ravinder Kumar Singh, Sub-Inspector of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 6th August, 1987.

S. NILAKANTAN, Director.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 19th April 1989

No. 13019/1/88-GP(I).—In continuation of this Ministry's Notification No. 13019/1/88-GP(I) dated 12/5/1988, the President is pleased to extend the tenure of the following Members of the Advisory Committee for the Union Territory

of Daman and Diu associated with the Minister of Home Affairs for a period of three months upto 30-6-1989.

1. Dr. P. Kupadli
2. Shri Dahyabhai V. Patel.
3. Shri Ramu Bhai Halpati.
4. Smt. Kamuben Ramanbhai Kamli.

PARKASH CHANDER, Dy. Secy.

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
& PENSIONS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

New Delhi-110001, the 20th April 1989

RESOLUTION

No. 11014/4/88-Hindi.—In supersession of Resolution No. 11014/2/85-Hindi dated the 5th November, 1985 of the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions, the Government of India have decided to re-constitute the Hindi Advisory Committee of the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions. The composition, functions etc. of the Committee will be as under :—

I. OFFICIAL MEMBERS

Chairman

1. Shri P. Chidambaram, MOS(PP)

Members

2. Shri Manish Bahl, Secretary (P)
3. Shri R. K. Sharma, Secretary, D/o O.L.
4. Shri A. R. Bandhyopadhyay, A.S. (AR)
5. Shri A. C. Tiwari, A. S. (Pension)
6. Shri J. C. Lynn, Estt. Officer
7. Smt. Krishna Singh, J. S. (AT)
8. Shri D. P. Bagchi, J.S. (S)
9. Shri O. P. Gupta, J.S. (CS)
10. Shri K. A. Chandrashekhra, J.S.(T)
11. Shri S. K. Parthasarthy, J.S. (E)
12. Shri Shambhu Dayal, J.S., D/o O. L.
13. Shri B. S. Baswan, Director, I.S.T.M.
14. Shri M. Katre, Director, C.B.I.
15. Shri B. N. Yugandhar, Director, Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration.
16. Shri S. C. Mittal, Chairman, S.S.C.

Member-Secy.

17. Smt. B. Sen, J.S. (V)

II. NON-OFFICIAL MEMBERS

Members

18. Shri Rampal Singh, M.P. (LS)
50, North Avenue, New Delhi.
19. Shri S. B. Thorat, M.P. (LS)
112, Vithal Bhai Patel House, New Delhi.
20. Shri Rameshwar Thakur, M.P. (RS)
15, Gurudwara Rakab Ganj Road, New Delhi.
21. Shri Ish Datt Yadav, M.P. (RS)
220, North Avenue, New Delhi.
22. Shri Bandhu Mahato, M.P. (RS)
9, South Avenue, New Delhi.
23. Shri S. Jagatrukshkan, M.P. (LS)
7, North Avenue, New Delhi.
24. Shri B. B. Mahajan, Secretary of D/o Food-cum-Chairman, Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad (By name),
XY-68, Sarojini Nagar, New Delhi.
25. Shri Mahadev Subramaniam, Ex-Secy., M/o Agri. I.I.P.A. Hostel, Indraprastha Estate, Ring Road, New Delhi.

26. Shri Naveen Chander Barhogaï,
Professor of International and Administrative Laws,
Jorhat Law College,
Jorhat, Assam.
27. Shri Gopal Rao Akbote,
Retired Chief Justice,
Andhra Pradesh High Court, Hyderabad.

III. FUNCTIONS

This Committee will advise the Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions and its Attached/Subordinate offices on matters relating to progressive use of Hindi for official purposes.

IV. TENURE

The tenure of the Committee shall ordinarily be three years from the date of its composition provided that :—

- (a) a member, who is Member of Parliament, does not cease to be a member of Parliament;
- (b) ex-officio members of the Committee shall continue as members so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Committee;
- (c) if a vacancy arises on the Committee due to death etc. or resignation of the member, the member appointed in that capacity shall hold office for the residual tenure of three years.

V. GENERAL

- (i) The Committee may nominate additional members as coopted members and invite experts to attend its meetings as may be considered necessary;
- (ii) The Headquarter of the Committee shall be at New Delhi.

VI. TRAVELLING AND OTHER ALLOWANCES

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Committee at the rates fixed by Government of India from time to time.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Committee of Parliament on Official Language, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Director of Audit, Central Revenues, All Members of the Committee, All Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

Smt. B. SEN, Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 11th April 1989

RESOLUTION

No. E-11011/18/88-O.L.—In supersession of the Ministry of Finance (Department of Revenue) Resolution No. E-11011/20/85-O.L. dated 20th November, 1985 as amended from time to time, the Government of India have reconstituted the Hindi Sahakar Samiti for the Departments of Revenue and Expenditure, as follows :—

Chairman

1. Finance Minister

Vice-Chairmen

2. Minister of State in the Ministry of Finance (Expenditure)
3. Minister of State in the Ministry of Finance (Revenue)
4. Minister of State in the Ministry of Finance (Banking)

Members

5. Sh. B. Devarajan, Member of Parliament (Lok Sabha)
6. Sh. S. C. Guria, Member of Parliament (Lok Sabha)
7. Sh. Ramsingh Bhai Rathvakohli, Member of Parliament (Rajya Sabha)
8. Sh. Rasheed Masood, Member of Parliament (Rajya Sabha)
9. Sh. Balkavi Bairagi (Member of Parliament) (Lok Sabha)
10. Sh. V. Tulsi Ram, Member of Parliament (Lok Sabha)
11. Sh. Shankar Rao Londhe, Shanti Niwas, Gadsc Nagar, Amravati-444 603.
12. Sh. Dwarkadas Ji Vaid, General Secretary, Rashtrabhasha Prachar Samiti, Post Hindinagar, Wardha-442003.
13. Sh. Awadh Narain Mudgil, Editor 'Sarika', 300/D, Mayur Vihar, Pocket-II, Delhi-110091.
14. Dr. Ramchandra Tiwari, Retd. Writer/Editor, 313/90, Tulsi Nagar Ras Bihari Marg, Delhi.
15. Sh. Manohar Singh Batra, M-211, Greater Kailash, Part-II, New Delhi.
16. Professor Jaidev Aggrawal, Director, Bhartiya Vitta Sansthan, B-3/83, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.
17. Dr. V. N. Shastri, Ex. M.P. Ritayan, Red Cross Road, Chandmari, Gauhati, Assam.
18. Pradhan, Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad, XY-68, Sarojini Nagar, New Delhi.
19. Hindi Adviser and Secretary, Rajbhasha Vibhag.
20. Secretary (Finance), North Block, New Delhi.
21. Secretary (Revenue), North Block, New Delhi.
22. Secretary (Expenditure), North Block, New Delhi.
23. Chairman, Central Board of Direct Taxes, New Delhi.
24. Chairman, Central Board of Excise and Customs, New Delhi.
25. Director General, Directorate General of Inspection (CBEC), New Delhi
26. Director, Directorate of Income Tax (R.S. & P.) New Delhi.
27. Financial Advisor, Ministry of Finance, New Delhi.
28. Dy. Comptroller and Auditor General of India, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.
29. Joint Secretary (A), Economic Affairs, New Delhi.
30. Joint Secretary, Rajbhasha Vibhag, Lok Nayak Bhawan, New Delhi.

Member-Secretary

31. Member (L & J), CBDT, Department of Revenue, New Delhi.

2. FUNCTIONS

The Samiti shall advise the Ministry (Departments of Revenue and Expenditure) on matters relating to the progressive use of Hindi for official purposes.

3. TENURE

The term of the Samiti will be three years from the date of its formation, provided that :—

- (i) a member of Parliament nominated to the Samiti shall cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament; and

- (ii) Members appointed against mid-term vacancies shall be for the remaining period of three years only.

4. GENERAL

- (i) The Committee may co-opt additional members and invite experts to attend its meetings or appoint sub-committees, as may be deemed necessary.
- (ii) The Headquarters of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to President's Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Director of Audit, Central Revenues, all members of the Samiti and all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. J. REDDY, Addl. Secy

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS (DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS AND WILDLIFE)

New Delhi-110003, the 6th April 1989

No. F. 6-5/89-F.P.—The revised National Forest Policy enunciated in December, 1988, and the amendments to the Forest (Conservation) Act, 1980, also made in December, 1988 have generated considerable discussions in the Parliament and in other fora. In these discussions, the need for better protection and conservation of forests and for ensuring that in implementation, these provisions do not stand in the way of fulfilling the genuine developmental aspirations of the people living in the forest areas has been emphasised. It has been pointed out that the strategy should be aimed at arresting the trend of depletion of forests, ensuring environmental and ecological stability and at ensuring greater security for the livelihood of people especially the rural poor and the tribals.

2. In order to look into these issues and recommend suitable measures, Government hereby set up a committee with the following composition :

Chairman

- (i) Shri Duleep Matthai

Members

- (ii) Shri Arvind Netam, M.P.
(iii) Shri Simon Tigga, M.P.
(iv) Shri P. K. Thungon, M.P.
(v) Shri Manikrao Hodlya Gavit, M.P.
(vi) Shri Swet Hembram, MLA
(vii) Shri B. D. Sharma
(viii) Shri Brijendra Singh
(ix) Shri Naresh Bedi
(x) Shrimati Radha Rhatt
(xi) Shri Lala Wia

Member-Secretary

- (xii) Inspector General of Forests,
Ministry of Environment & Forests.

3. The terms of reference of the committee shall be as under :—

- (i) To examine and define, in the National context, the ecological role of forests and the manner in which this should be achieved;
- (ii) To formulate a conceptual frame-work for forest protection and conservation in the country;
- (iii) To examine the implementation aspects of the Forest (Conservation) Act, 1980 and the National Forest Policy, 1988 with a view to fulfilling the need for conservation as well as the developmental aspiration of the people, especially those living in and around forest areas;

- (iv) To propose an implementation strategy and the institutional arrangements including public support systems required for this purpose.

4. The committee will function with its Headquarters in Delhi and frame its own rules and procedures for functioning. It may visit any area within the country as considered necessary. TA/DA of non-officials would be paid as applicable to Grade I officers of Central Government.

5. The Committee will submit its report within four months from the date of its constitution.

K. M. CHADHA, Jt. Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 7th April 1989

RESOLUTION

No. F. 8-88-Skt. 2.—In supersession of this Ministry's Resolution No. 8-1/84-Skt. 2 dated the 11th July, 1984 it is hereby resolved to reconstitute the Central Sanskrit Board w.e.f. 1st March, 1989.

A. COMPOSITION

The composition of the Board would be as under :—

Chairman

1. Dr. Shankar Dayal Sharma,
Vice-President of India.

Members

2. Dr. Reva Prasad Dwivedi,
Head, Deptt. of Literature,
Academy of Oriental Education, B.H.U.,
Varanasi.
3. Dr. Ram Chandra Dwivedi,
Dean, Faculty of Sanskrit Studies,
Rajasthan University, Jaipur.
4. Dr. N. V. Vasudevacharyar,
117, Kothandaramaswamy,
Koil St., West Mambalam,
Madras-600033.
5. Dr. (Smt.) Prem Lata Sharma,
Vice-Chancellor,
University of Khairagarh,
Madhya Pradesh.
6. Dr. Mandan Mishra,
Principal, Lal Bahadur Shastri
Kendriya Sanskrit Vidyapeetha,
Katwaria Sarai, New Delhi.
7. Dr. (Smt.) S. S. Janaki,
Director, Kuppuswami Shastri Research Institute,
84, Royapetha High Road,
Mylapore, Madras-600004.
8. Shri Surinder Brahmachari,
Bihar University, Ex-Vice-Chancellor,
Darbhanga Sanskrit University,
Darbhanga.
9. Shri Kireet Joshi,
Member Secretary,
Rashtriya Veda Vidya Pratishthan,
10, Talkatora Road, New Delhi.
10. Financial Adviser,
Ministry of Human Resource Development,
New Delhi.
11. Director,
Rashtriya Sanskrit Sansthan,
A-40, Vishal Enclave,
Raja Garden, New Delhi.
12. Chairman,
University Grants Commission,
Bahadurshah Zafar Marg,
New Delhi.

13. Vice-Chancellor,
Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit, University,
Darbhanga.
14. Vice-Chancellor,
Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya,
Varanasi.
15. Vice-Chancellor,
Gurukul Kangri Vishwavidyalaya,
Haridwar.
16. Vice-Chancellor/Principal,
Kendriya Sanskrit Vidyapeetha,
Tirupati.
17. JEA/A.S.,
Dealing with Sanskrit Division.
Member-Secretary
18. DEA (SKT).

(B) TENURE

The tenure of the non-official members of the Board shall be three years calculated from the 1st March 1989 Provided that :—

1. The ex-officio Member(s) of the Board shall continue as Member(s) so long as they hold office by virtue of which they are members of the Board.
2. Other nominated members shall hold office during the pleasure of the Government of India, excepting the Chairman, who will hold office for the full term of three years.
3. The Government of India may nominate more non-official members as and when considered necessary.
4. If a vacancy arises on the Board due to resignation, death etc. of a member, the same can be filled up by Government of India by fresh nomination and the Member so nominated in that vacancy shall hold office for the remaining period of the tenure of three years.

(C) FUNCTIONS

The Board will advise the Government of India on :—

1. Matters of policy pertaining to the propagation and Development of Sanskrit.
2. The pattern of Sanskrit education at different levels, co-ordination of courses, teaching and similar activities; standardisation of syllabi, examinations and degrees; qualifications of different types of teachers and their training arrangements.
3. Coordinating the work relating to Sanskrit studies which is being done by different institutions all over the country.
4. Methods to be adopted for the improvement and development of Pathshala system of education and privately organised research institute.
5. Methods to be adopted for the propagation and publication of improved Sanskrit text books.
6. Constituting sub-committees to examine applications received for grant-in-aid under the various schemes of the Ministry.

(D) COMMITTEES

The Board may set up committees/sub-committees as it may deem necessary for the proper discharge of its functions. The members of these Committees/sub-committees shall be nominated by the Chairman of the Board.

(E) QUORUM

The quorum for the meeting of the Board/Committee or sub-committees shall be 1/3 of the total membership of the Board/Committees/sub-committees.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union-Territory Administrations, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha

Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat and all Ministries and Department of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SOM D. DIKSHIT, Dy. Edu. Adviser (Skt)

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSION**(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)**

New Delhi-1, the 20th May 1989

RULES

No. 10/1/89-CS.II.—The rules for competitive examinations to be held by the Staff Selection Commission (Department of Personnel and Training), New Delhi, once every three months during the year 1989 on Saturday and Sunday and if necessary, on the holiday/sunday following thereafter, for the purpose of filling temporary vacancies in Grade D of the Central Secretariat Stenographers' Service are published for general information.

2. The number of vacancies in the Central Secretariat Stenographers' Service to be filled on the result of the examination will be determined by Government from time to time and intimated to the Staff Selection Commission before the results of the examinations are announced by the Commission if necessary. The Reservations will be made for candidates who are Scheduled Castes and Scheduled Tribe in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

(A) "An 'ex-serviceman' means a person who has served in any rank whether as a combatant or non-combatant in the Regular Army, Navy and Air Force of the Indian Union and

- (a) who retired from such service after earning his/her pension; or
- (b) who has been released from such service on medical grounds attributable to military service or circumstances beyond his control and awarded medical or other disability pension; or
- (c) who has been released, otherwise than on his own request, from such service as a result of reduction in establishment; or
- (d) who has been released from such service after completing the specific period of engagements, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, and has been given a gratuity; and includes personnel of the Territorial Army of the following categories, namely :—
 - (i) pension holders for continuous embodied service;
 - (ii) persons with disability attributable to military service; and
 - (iii) gallantry award winners."

(B) "Physically Handicapped person" means an orthopaedically handicapped person who has physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints and blind or partially blind persons."

No scribe will be allowed to the physically handicapped and other categories of persons appearing in the examination.

(C) Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Tribes), Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (modification) Order 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman

& Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Schedule Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order, (Amendment) Act, 1976, and the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission, in the manner prescribed by in the appendix-I to these Rules. For the purpose of admission the candidates will be required to submit applications on plain paper as in the form given in appendix II, which after due scrutiny, will be forwarded by the Ministry/Department/Office concerned to the Staff Selection Commission latest by the 1st of the Month preceding the month in which the examination is to be held.

4. Any permanent or temporary regularly appointed LDC/UDC of the Central Secretariat Clerical Service, shall be eligible to appear at the examination and compete for the vacancies.

4(1). Length of Service; He should have, on the 'crucial date', (as defined under Regulation 2(a) of the Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'D' (Competitive Examination) (Regulations, 1969) rendered not less than two years approved and Continuous service in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

NOTE: 1 The limit of two years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

NOTE: 2 Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if he continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service for the time being.

NOTE: 3 Regularly appointed officers to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade means, an officer allotted to any of the cadres of the Central Secretariat Clerical Service at the commencement of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 or appointed there after on a long-term basis to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Service as the case may be, according to the prescribed procedure.

(2) Age: A candidate for this examination should not be more than 50 years of age on the 'crucial date' (as defined under Regulation 2(a) of the Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'D' (Competitive Examination) (Regulations, 1969).

(3) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-servicemen who have put in not less than six months continuous service after attestation, in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies.

NOTE: The period of 'call up service' of an ex-servicemen in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of Rule 3 above.

5. The upper age limit prescribed above will be further relaxable.

(i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona-fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona-fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bona-fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st Nov., 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona-fide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian Origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(vii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona-fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

(x) upto a maximum of eight years in the case of Defence services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof;

(xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam not earlier than July, 1975;

(xiv) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a bona-fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975 and

(xv) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, i.e. Orthopaedically handicapped and partially deaf.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate who fails in the examination will not be eligible to take the next examination but only that following the next examination or subsequent examination.

7. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

8. Candidates must pay the prescribed fee of Rs. 8/- (Rupees eight only) for general Candidates either by postal orders or bank draft.

(No fees are payable by Ex-servicemen, S.C. & S.T. and Physically handicapped candidates).

9. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

10. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be abetting the Commission of, all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination on selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under the appropriate rules,

11. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in one list, in the order of merit, as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that Order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination in the Central Secretariat Stenographers' Service Grade 'D'.

Provided that the candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Staff Selection Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of those candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

NOTE: Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be appointed to Grade 'D' of the Service on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for appointment as a Stenographer Grade 'D' on the basis of his performance in this examination as a matter of right.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them, regarding the result.

13. Success in the examination confers no right to selection, unless the Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate, having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection.

A candidate who, after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it, or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer and does not have a lien on Central Secretariat Clerical Service will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a candidate who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

DR. RAVENDRA SINGH
Under Secy.

APPENDIX-I

Candidates will be given one dictation test in English or in Hindi at 80 words per minute for 10 minutes. The candidates who opt to take the test in English will be required to transcribe the matter in 65 minutes and the candidates who opt to take the test in Hindi will be required to transcribe the matter in 75 minutes respectively. The shorthand test carry a maximum of 300 marks.

NOTE: Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English Stenography and vice versa, after their appointment.

2. Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters and for this purpose, they will be required to bring their own typewriters with them.

APPENDIX-II

PROFORMA

STAFF SELECTION COMMISSION

GRADE 'D' STENOGRAPHERS COMPETITIVE

EXAMINATION

Closing Date: 1st of the month previous to the month of the Examination.

Signed passport size photograph of the candidate to be pasted here. Another signed photograph should be firmly attached to the application.

1. Particulars of Postal Orders/
Bank Draft and the value.
2. Name of the candidate Shri/Smt /Kum.
(in capital letters).
3. Exact date of birth
(in Christian Era).
4. Name and address of office where working.
5. Are you a
(a) Scheduled Caste

- (ii) Scheduled Tribe
- (iii) Ex-Servicemen
- (iv) Physically handicapped Person
Answer 'Yes' or 'No'
6. (i) Father's name
- (ii) Husband's name (in case of lady candidate)
7. State the language (Hindi or English) in which you wish to take the shorthand test.
8. Whether appeared in the previous Examination, if so, indicate the month and Roll No.
9. Are you a permanent or temporary regularly appointed officer of the Lower Division Grade/Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service and have rendered not less than two years approved & continuous Service in the relevant grade on the 1st January of the year in which the examination is held.
10. In case you are on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or the ex-cadre post is on transfer basis. State whether you continue to hold a lien on the previous post.

Signature of Candidate

TO BE FILLED BY THE HEAD OF DEPARTMENT OF THE OFFICE WHERE THE CANDIDATE IS SERVING

Certified that :—

- (i) the entries made by the candidate in columns of the application have been verified with reference to his/her service records and are correct.

- (ii) his application has been scrutinised and it is certified that he fulfils all the conditions laid down in the rules and is eligible in all respects to appear the examination.

Signature :

Name :

Designation :

Deptt./Office :

No.

Date :—

NOTE : A candidate who once fails can take the examination only after another three months, i.e. a candidate who fails in the examination to be held in April, can take the examination to be held in August or Subsequently.

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 25th April 1989

RESOLUTION

No. P.III.26(2)/75.—In the erstwhile Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Supply) Resolution No. P.III-26(2)/75 dated 3rd June, 1981 the following amendment may be carried out :—

"In the entry against (a) under para 1(vi)—*For Association of Indian Engineering Industry Substitute Confederation of Engineering Industry.*"

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution may be communicated to all the members of the Central Purchase Advisory Council and all the Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution may be published in the Gazette of India for general information.

G. P. KALRA
Director

